



डॉ. अर्चना शर्मा

डॉ. अर्चना शर्मा को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

आप सीईआरएन में पार्टिकल फिजिसिस्ट हैं और हिग्स बोसोन की अभूतपूर्व खोज में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। आपकी दृढ़ता और तकनीकी प्रगति ने सबसे बड़े जीईएम डिटेक्टर सिस्टम की स्थापना के साथ सीएमएस प्रयोग में दुनिया को पहली बार प्रेरित किया है।

आपने लाइफ लैब फाउंडेशन नामक एनजीओ स्थापित करके शिक्षा, अनुसंधान और वैज्ञानिकों व छात्रों के आदान-प्रदान का भी समर्थन किया है। आप एसएएचईपीआई (साउथ एशियन हाई एनर्जी फिजिक्स इंस्ट्रुमेंटेशन) और एसएएसईपी (साउथ एशिया साइंस एजुकेशन प्रोग्राम) नामक कार्यक्रमों को संस्थागत बनाकर भारत को जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही हैं। आपने क्वार्कनेट इंडिया नामक पहल से, भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका के उन्नत शिक्षाविदों के साथ जोड़ा है।



Dr. Archana Sharma

Dr. Archana Sharma has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for her contribution in Science & Technology.

Dr. Sharma is a particle physicist at CERN, and the only Indian to be involved in the ground-breaking Higgs Boson discovery. Her perseverance and efforts led to a breakthrough in the discipline of radiation detectors, and led to world's first CMS Experiment with the installation of the largest GEM detector system.

She also supports education, research and exchanges among scientists and students through her NGO Life Lab Foundation. She is engaging in India by institutionalizing programs called SAHEPI (South Asian High Energy Physics Instrumentation) and SASEP (South Asia Science Education Program). She has spearheaded an initiative, QUARKNET INDIA linking India with advanced pedagogues in the USA.